

प्रेषक,

अमित सिंह नेगी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

आपदा प्रबन्धन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक २२ जून, 2016

विषय- आपदा की घटनाओं के सम्बन्ध में समुचित व समय पर सूचना उपलब्ध कराने एवं विभिन्न घटनाओं के अभिलेखीकरण के सम्बन्ध में।

महोदय,

शासन द्वारा समय-समय पर जिलाधिकारियों से की गयी विडियों कान्फ्रेंसिंग तथा मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा की गयी समीक्षा बैठकों के दौरान एवं कतिपय घटनाओं के समय जिलों से समन्वय के दौरान यह संज्ञान में आया है कि राज्य के विभिन्न जनपदों आपदा से सम्बन्धित घटनाओं का अभिलेखीकरण सुचारु रूप से नहीं किया जा रहा है तथा शासन व राज्य आपातकालीन केन्द्र (SEOC) को समय पर पुष्ट सूचनायें उपलब्ध होने में कठिनाई हो रही है, जिससे शासन व जिले स्तर पर त्वरित एवं समुचित कार्यवाही में भी विलम्ब होने की संभावना रहती है। यह भी देखने में आया है कि जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्रों में दूरभाष आदि पूरी तरह से फक्शनल नहीं है तथा कई बार फोन किये जाने पर तत्काल सम्पर्क स्थापित नहीं हो पा रहा है।

अतः उक्त को दृष्टिगत रखते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आपदा प्रबन्धन से सम्बन्धित तैयारियों व सूचना के आपदा-प्रदान हेतु तथा महत्वपूर्ण घटनाओं के अभिलेखीकरण के लिये निम्नलिखित कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित कर ली जाए।

1. आपदा से सम्बन्धित घटनाओं उनके कारण व प्रकार व उसमें हुई क्षतियों का अभिलेख डी0डी0एम0 द्वारा रखा जाना सुनिश्चित किया जाये। एस0डी0आर0एफ0 मानको में भारत सरकार द्वारा निर्धारित राहत की मदों का प्रोफार्मा डी0डी0एम0ए0 द्वारा तैयार कर क्षति व उसके सापेक्ष बांटी गयी राहत को प्रत्येक सप्ताह Update करते हुए उसकी सूचना SEOC को प्रेषित की जायेगी।
2. आपदा से सम्बन्धित घटनाओं की सूचना तत्काल जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्र को उपलब्ध करायी जायेगी तथा इसके उपरान्त जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्र एवं प्रभारी अधिकारी आपदा तथा आपदा प्रबन्धन अधिकारी द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि घटित घटना के सम्बन्ध में अग्रेत्तर की गयी कार्यवाही जिसमें बांटी गयी राहत, राहत शिविरों की सूचना इसके उपरान्त प्रभावितों को राहत पहुंचाये जाने व तात्कालिक प्रवृत्ति के आवश्यक कार्य की सूचना भी डी0ई0ओ0सी0 द्वारा संकलित कर एस0ई0ओ0सी0 को प्रेषित की जायेगी।
3. प्रायः यह देखने में आ रहा है कि शासन में आपदा से सम्बन्धित घटनाओं की फोटोग्राफ आदि की प्राथमिक सूचना समाचार पत्रों या मिडिया के माध्यम से प्राप्त हो रहे हैं जबकि पूर्व में भी निर्देश दिये गये हैं कि आपदा प्रबन्धन विभाग के स्तर से संचालित वहाट्स एप ग्रुप के माध्यम से फील्ड में कार्यरत पटवारी से लेकर अन्य सभी अधिकारी सम्बन्धित घटना की क्षति जहां वे उपस्थित हैं, का फोटोग्राफ ग्रुप के माध्यम से शेयर करेंगे। अतः इस सम्बन्ध में पुनः यह अपेक्षा है कि समस्त अधिकारी/कर्मचारी उक्तानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे तथा उक्त ऐप के माध्यम से सम्बन्धित डी0ई0ओ0सी0 को सूचना प्राप्त होगी और डी0ई0ओ0सी0 द्वारा एस0ई0ओ0सी0 को यह सूचना उपलब्ध करायी जायेगी।

क्रमशः.....2

4. आप अवगत हैं कि 7 डेस्क सिस्टम के स्थान पर आई0आर0एस0 प्रणाली को अंगीकृत करते हुए इसके अनुसार ही सारी कार्यवाही का निर्णय शासन द्वारा लिया जा चुका है तथा इस प्रणाली में प्रशिक्षण हेतु एन0डी0एम0ए0 के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चला गया है तथा आई0आर0एस0 प्रणाली के अनुसार अधिकारियों को नामित किये जाने हेतु भी निर्देश दिये गये हैं। किन्तु जनपदों द्वारा अभी तक इस प्रणाली के अनुसार कार्यवाही गतिमान नहीं की जा सकी है। अतः इस सम्बन्ध में पुनः यह अनुरोध है कि आई0आर0एस0 प्रणाली के अनुसार कार्यवाही फंक्शनल की जाए जिससे कि आपदा प्रबन्धन तंत्र को मजबूत बनाया जा सके तथा किसी घटना के सम्बन्ध में तत्काल chain of command स्वयं सक्रिय हो जाए तथा सभी स्तर से सूचनाएँ एकत्रित होते हुए डी0ई0ओ0सी0/एस0ई0ओ0सी0 व शासन को प्राप्त हो व उनपर तत्काल उच्चस्तर से कार्यवाही प्रारम्भ की जा सके।
5. मानसून पूर्व तैयारियों के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर विडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से तथा शासनादेश संख्या-1501/XVIII(2)/16-13(5)/2007, दिनांक 21.06.2016 के द्वारा विस्तृत दिशानिर्देश भी जारी किये गये हैं। इस सम्बन्ध में पुनः यह निर्देशित किया जाता है कि आपातकालीन परिचालन केन्द्र 24X7 आधार पर कार्यरत रहेंगे तथा केन्द्रों में सभी व्यवस्थाएँ जैसे दूरभाष यंत्र/कम्प्यूटर आदि को कार्यरत रखे जाने के सम्बन्ध में व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित कर ली जायेगी व जनपद में आपदा प्रबन्धन के प्रभारी अधिकारी/अपर जिलाधिकारी द्वारा तथा समय-समय जिला अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा इन केन्द्रों की व्यवस्थाओं की Random Checking भी की जायेगी। जिसकी रिपोर्ट एस0ई0ओ0सी0 के माध्यम से शासन को प्रेषित की जायेगी।
6. जैसा कि आप अवगत हैं मानसून अवधि में C.W.C. एवं I.M.D. से प्राप्त सूचनाएँ/एलर्ट अत्यन्त महत्वपूर्ण होते हैं। अतः इनके विश्लेषण की जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिकारियों यथा जिलाधिकारी/अपर जिलाधिकारी/पुलिस अधीक्षक द्वारा की जाय निचले स्तर के अधिकारी पर यह जिम्मेदारी न छोड़ी जाए। ताकि किसी भी घटना से पूर्व उसके सम्बन्ध में न्यूनीकरण/प्रतिवादन की कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित हो सके।

कृपया उपरोक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

भवदीय,

(अमित सिंह नेगी)
सचिव

संख्या-1505(1)/XVIII(2)/14-13(5)/2007 तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. पुलिस महानिरीक्षक, उत्तराखण्ड।
2. आयुक्त, कुमायूँ/गढ़वाल मण्डल, पौड़ी गढ़वाल एवं नैनीताल।
- ✓ 3. एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
4. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(संतोष बड़ोनी)
उप सचिव